

प्रेषक,

डा० भूपिन्दर कौर औलख,
सचिव

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,

समाज कल्याण, उत्तराखण्ड,
हल्द्वानी, नैनीताल।

समाज कल्याण अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: 05 जनवरी, 2016

विषय:—उत्तराखण्ड राज्य के वृद्ध पुरोहितों को भरण पोषण अनुदान दिये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषय के सम्बन्ध में शासन स्तर पर सम्यक विचारोपरान्त मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उत्तराखण्ड राज्य में विभिन्न धर्मों/समुदाय के 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के वृद्ध पुरोहित, जो पुरोहिती का कार्य कर रहे हैं, को ₹ 800/- प्रतिमाह भरण पोषण अनुदान का लाभ निम्नलिखित मानक/शर्तों के अधीन अनुमन्य किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

1. ऐसे पुरोहित, जिनके परिवार की सभी स्रोतों से मासिक आय ₹ 4000/- अथवा ₹ 4000/- से कम हो।
2. हिन्दू समुदाय के धार्मिक अनुष्ठान यथा—नामकरण संस्कार, मुण्डन संस्कार, उपनयन संस्कार, धार्मिक अनुष्ठान, भवन अनुष्ठान, विवाह संस्कार, मृत्युपरान्त संस्कार, शुद्धि, मेलों तथा पर्वों में पूजा इत्यादि तथा अन्य हिन्दू रीति से मनाये जाने वाले धार्मिक अनुष्ठान में जो पुरोहिती का कार्य करते हों।
3. मुस्लिम समुदाय के मौलवियों, जो कि जन्म, निकाह, मृत्यु तथा अन्य धार्मिक अनुष्ठानों में मौलवी का कार्य करते हों।
4. सिक्ख समुदाय के ग्रन्थियों, ईसाई समुदाय के पादरियों, जैन समुदाय के अधिकृत जैन पुरोहित तथा बौद्ध समुदाय के बौद्ध पुरोहित जो उक्तानुसार अनुष्ठान आदि का कार्य करते हों।
5. इस योजना के अन्तर्गत केवल ऐसे हिन्दू, पादरी, मौलवी, जैन, बौद्ध समुदाय के पुरोहित एवं सिक्ख समुदाय के ग्रन्थी सम्मिलित होंगे, जिन्होंने सम्बन्धित समुदाय के पुरोहिती में किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय अथवा विश्वविद्यालय से वांछित प्रक्रिया अनुसार नियमित पढ़ाई की हों।
6. उक्त भरण पोषण अनुदान उसी पुरोहित को अनुमन्य किया जायेगा, जिन्होंने केन्द्र सरकार, राज्य सरकार या अन्य प्रतिष्ठानों की विभिन्न योजनाओं से किसी भी प्रकार की पेंशन/अनुदान अथवा अन्य किसी स्रोत से लाभ प्राप्त नहीं किया हों।

(2)

7. उपरोक्त श्रेणियों में पुरोहितों का वर्गीकरण तथा उन्हें उक्त अनुदान स्वीकृत करने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों के पुरोहितों के सम्बन्ध में ग्राम प्रधान तथा ब्लाक प्रमुख एवं 02 संभ्रांत व्यक्तियों की संस्तुति के आधार पर जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा प्रमाण पत्र निर्गत किया जायेगा तथा शहरी क्षेत्रों में निवास करने वाले पुरोहितों को उप जिलाधिकारी द्वारा निर्गत प्रमाण पत्र के आधार पर पुरोहिती का कार्य करने वाले व्यक्तियों को चिन्हित किया जायेगा।
- 8- उक्त योजना तत्काल प्रभाव से लागू होगी।
- 9- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-116/XXVII(1)/2016 दिनांक 27 जनवरी, 2016 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीया,

(डा० भूपिन्दर कौर औलख)
सचिव।

पृष्ठांकन संख्या:- २२२ (1)/XVII-2/16-01(38)/2014 तददिनांक।

प्रतिलिपि: निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. वरिष्ठ निजी सचिव, सचिव, श्री राज्यपाल, उत्तराखण्ड।
2. प्रमुख निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड।
3. वरिष्ठ निजी सचिव, मा० समाज कल्याण मंत्री, उत्तराखण्ड।
4. वरिष्ठ निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड।
5. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड, देहरादून।
6. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी एवं कुमाँयू मण्डल, नैनीताल।
7. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड द्वारा निदेशक।
8. समस्त जिला समाज कल्याण अधिकारी, उत्तराखण्ड द्वारा निदेशक।
9. समस्त मुख्य विकास अधिकारी, उत्तराखण्ड द्वारा निदेशक।
10. समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड द्वारा निदेशक।
11. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
12. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(किशन नाथ)
अपर सचिव।